



ॐ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

आरव शर्मा की धन और वित्त रिपोर्ट

नमूना रिपोर्ट • काल्पनिक व्यक्ति

Aarav Sharma

15 अगस्त 1991 • 06:40

Jaipur, Rajasthan, India



IASTROGURU

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना
बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच

लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

इस रिपोर्ट में

01 धन के प्रति आपका स्वभाव

05 लाभ का समय

02 दूसरा भाव: जो आप संचित करते हैं

06 आदतें जिनका कुंडली फल देती है

03 ग्यारहवाँ भाव: जो आप पाते हैं

07 पारंपरिक उपाय

04 धन योग और होरा कुंडली

08 यह रिपोर्ट कैसे बनी

01 धन के प्रति आपका स्वभाव

आरव, ज्योतिष में धन दूसरे भाव (जो आप संचित करते हैं), ग्यारहवें भाव (जो आप पाते हैं), उनके स्वामियों और समृद्धि के ग्रहों, गुरु और शुक्र, से पढ़ा जाता है। यह रिपोर्ट आपकी कुंडली के लिए इन्हें पढ़ती है और उन्हें ऐसी आदतों में बदलती है जिनका आप उपयोग कर सकें। यह कभी निवेश सलाह नहीं है।

उदार, सबके सामने रहने वाली शैली

आपका लग्न सिंह है, राजसी राशि, जिसमें मंगल, बुध, गुरु और शुक्र चारों उदित हैं। आपके अपनी उपस्थिति, कौशल और प्रतिष्ठा से कमाने, और उदारता से खर्च करने की संभावना है: परिवार पर, सुख पर, और उन चीजों पर जो सही दिखें और लगे। आपके लिए धन गरिमा और लोगों की देखभाल से गहराई से जुड़ा है।

तुला में आपका चंद्रमा संतुलन और सौंदर्य पसंद करता है, और लग्न में आपके शुक्र रुचि जोड़ते हैं। अच्छा परिवेश आपके लिए सच में मायने रखता है। एकमात्र सावधानी यह है कि सिंह-तुला स्वभाव गुणवत्ता पर खर्च करता है, पर हमेशा उसे गिनता नहीं।

दोनों धन भावों के एक स्वामी

सिंह लग्न के लिए बुध दूसरे भाव, कन्या, और ग्यारहवें भाव, मिथुन, दोनों के स्वामी हैं। आपके बुध आपके अपने लग्न में बैठे हैं। जब दोनों धन भावों के एक ही स्वामी पहले भाव में रहते हैं, तो कमाई आपके अपने कौशल, संवाद और नाम से आती है। ज्यादातर कुंडलियों की तुलना में आपका धन आपके अपने हाथ में अधिक है, जो वरदान भी है और ज़िम्मेदारी भी।

- ♦ बुध आपके दोनों धन भावों के स्वामी हैं और आपके लग्न में बैठे हैं: आपका धन आपके अपने कौशल और आदतों के पीछे चलता है।

02 दूसरा भाव: जो आप संचित करते हैं

दूसरे भाव में कन्या

आपका दूसरा भाव, धन भाव, कन्या है, बारीकी, व्यवस्था और सावधान काम की पृथ्वी राशि, और उसमें कोई ग्रह नहीं है। उसके स्वामी बुध आपके पहले भाव में बैठे हैं। दूसरा भाव बचत, पारिवारिक धन, भोजन और वाणी का भाव है।

इसका सर्वाष्टकवर्ग अंक 21 है, जो 25 की पारंपरिक सुविधा-रेखा से नीचे है। यह आपकी कुंडली का सबसे स्पष्ट पैसे संबंधी संदेश है: संचय अपने आप नहीं होता। अच्छी बात यह है कि कन्या व्यवस्थाओं की राशि है, और उसके स्वामी बुध लग्न में आपके अपने हाथ में हैं। सोची-समझी बचत की दिनचर्या ठीक वही है जिसका यह भाव प्रतिसाद देता है।

- ♦ दूसरे भाव का अंक 21: बचत को व्यवस्था चाहिए, और आपकी कुंडली उसे चलाने के लिए अच्छी तरह बनी है।

03 ग्यारहवाँ भाव: जो आप पाते हैं

ग्यारहवें भाव में मिथुन

आपका ग्यारहवाँ भाव, लाभ भाव, मिथुन है, जिसमें केतु हैं, और इसका सर्वाष्टकवर्ग अंक 41 है, जो आपकी कुंडली में सबसे ऊँचा और किसी भाव के सबसे प्रबल अंकों में से एक है। ग्यारहवाँ भाव आय, लाभ, संपर्कों, बड़े भाई-बहनों और पूरी होती इच्छाओं का भाव है।

41 का अंक ऐसी आय का वर्णन करता है जो काम करने पर आसानी से आती है, और ऐसे संपर्कों का जो अवसर लाते हैं। यहाँ केतु एक अनासक्ति जोड़ते हैं: आप बड़े दायरे से अधिक कुछ भरोसेमंद संबंध पसंद कर सकते हैं, और लाभ आत्म-प्रचार से नहीं, विशेषज्ञ ज्ञान से आ सकता है।

41 और 21 के बीच का अंतर

कमाना प्रबल है और टिकाना कमजोर: 41 बनाम 21। सीधे शब्दों में, धन अच्छी तरह आता है और टिकने के लिए ढाँचा चाहता है। इस पैटर्न वाले जो लोग आय आने के दिन ही बचत अपने आप करवा देते हैं, वे वास्तविक धन बनाते हैं; जो महीने के अंत के अच्छे इरादों पर निर्भर रहते हैं, वे सोचते रह जाते हैं कि पैसा कहाँ गया।

04 धन योग और होरा कुंडली

आपके धन योग

आपकी कुंडली में एक धन योग है, एक शास्त्रीय धन संयोग, जो दोनों धन भावों के स्वामी बुध के, पुण्य और भाग्य के आपके पाँचवें और नौवें भावों के स्वामियों, गुरु और मंगल, के साथ बैठने से बनता है। परंपरा में इसे अपने प्रयास और अच्छे विवेक से कमाने और साधन बनाने की क्षमता से जोड़ा जाता है।

आपकी कुंडली में गुरु, मंगल और शुक्र से बना एक राजयोग भी है, और मंगल आपके योगकारक हैं, जो एक केंद्र और एक त्रिकोण दोनों के स्वामी हैं। ऐसी कुंडली में प्रतिष्ठा और आय साथ-साथ बढ़ते हैं, और आपका भाग्य आपके कर्म के पीछे चलता है।

होरा कुंडली (D2)

होरा हर राशि को सूर्य के आधे, सिंह, और चंद्रमा के आधे, कर्क, में बाँटती है। आपका होरा लग्न सिंह है, और सूर्य, चंद्रमा, बुध, गुरु और शुक्र सभी सूर्य की होरा में आते हैं; मंगल, शनि, राहु और केतु चंद्रमा की होरा में। सूर्य की होरा परंपरा में विरासत या भाग्य के बजाय मेहनत, प्रतिष्ठा और अधिकार से कमाए धन से जुड़ी है: ऐसा धन जो आपके काम और आपके नाम के पीछे चलता है।

05 लाभ का समय

दशा का चित्र

आप 26 अगस्त 2027 तक राहु अंतर्दशा के साथ गुरु महादशा में हैं। गुरु आपके धन योग का हिस्सा हैं, और राहु सट्टे और रचनात्मकता के आपके पाँचवें भाव में बैठे हैं, इसलिए ये अंतिम महीने सीखने और नए विचारों के पक्ष में हैं, और सट्टे वाले दाँवों में सावधानी माँगते हैं।

आपकी शनि महादशा 26 अगस्त 2027 को शुरू होती है। उसकी दूसरी अंतर्दशा, 29 अगस्त 2030 से 8 मई 2033 तक की बुध अंतर्दशा, आपके दोनों धन भावों के स्वामी को सक्रिय करती है। परंपरा में यह आने वाले दशक में आय और बचत बनाने का सबसे महत्वपूर्ण समय है।

- ♦ धन का मुख्य समय: बुध अंतर्दशा, अगस्त 2030 से मई 2033, जिस पर आपके दोनों धन भावों के स्वामी का शासन है।

अगले दो वर्षों का आकार

गोचर में गुरु 31 अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 तक और फिर जून से नवंबर 2027 तक सिंह में हैं, जो आपका लग्न और चंद्रमा से ग्यारहवीं राशि है। चंद्रमा से ग्यारहवाँ स्थान लाभ का स्थान है, इसलिए परंपरा में ये आय और मददगार संपर्कों के अच्छे समय हैं।

इसके बाद गोचर में गुरु नवंबर 2027 से फ़रवरी 2028 तक और फिर जुलाई 2028 से कन्या, बचत के आपके दूसरे भाव, में प्रवेश करते हैं। दूसरे भाव पर गुरु का गोचर परंपरा में बचत, पारिवारिक वित्त और संचय का साथ देता है: अगले अध्याय की व्यवस्थाएँ लागू करने का आदर्श समय।

06 आदतें जिनका कुंडली फल देती है

वार आदतें

पहले खुद को भुगतान करें। हर आय का एक तय हिस्सा उसी दिन दीर्घकालिक बचत में डालें जिस दिन वह आए। 21 अंकों वाले दूसरे भाव के लिए, जिसके स्वामी आपके अपने लग्न में हैं, यह एक आदत किसी भी उपाय से अधिक करती है।

हर सप्ताह धन की समीक्षा करें। आपके धन के स्वामी बुध ध्यान और अंकों का फल देते हैं। हर बुधवार, बुध के दिन, एक छोटी समीक्षा आपकी प्रबल आय को रिसने से बचाती है।

उदारता का बजट बनाएँ। आपका सिंह स्वभाव परिवार और सुख पर खर्च करेगा; इसकी योजना बनाएँ ताकि यह आश्चर्य नहीं, आपका चुनाव लगे।

सट्टा छोटा रखें। आपके पाँचवें भाव में राहु के साथ, सट्टे वाले उपक्रमों की योजना नहीं, एक सीमित, सोची-समझी राशि मानें। यहाँ कुछ भी पैसे संबंधी सलाह नहीं है; निवेश के निर्णयों के लिए किसी योग्य सलाहकार से बात करें।

07 पारंपरिक उपाय

बुध और गुरु के लिए

बुधवार बुध का दिन है: विष्णु सहस्रनाम का पाठ, किताबें या स्कूल की सामग्री दान करना, और दिन के रंग के रूप में हरा आपके धन के स्वामी के पारंपरिक अभ्यास हैं। गुरुवार गुरु का दिन है: शिक्षकों का सम्मान, शिक्षा और मंदिरों को दान, और दिन के रंग के रूप में पीला।

परंपरा में घर के उत्तर-पूर्व को साफ़ और खुला रखना और संध्या को दीपक जलाना भी लक्ष्मी और स्थिर समृद्धि से जुड़ा है। ये सहारे हैं, गारंटी नहीं; इस कुंडली में आपकी अपनी आदतें ही सबसे प्रबल उपाय हैं।

08 यह रिपोर्ट कैसे बनी

हर स्थिति की गणना iAstroGuru Engine ने की है, लाहिड़ी अयनांश, संपूर्ण राशि भाव, विंशोत्तरी दशा, होरा (D2) और सर्वाष्टकवर्ग के साथ।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले कुंडली से अपने आप मिलाकर जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है, और यहाँ कुछ भी पैसे संबंधी, निवेश, कर या कानूनी सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई। इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।



Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)

Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:36 IST

Document ID IAG-0Z0T-JZP9-CMX6